# पड़ोस वाली भाभी ने घर बुलाकर चूत दी

“हॉट सेक्स विद भाभी के मजे लिए मैंने. वे मेरे पड़ोस में रहती थी. एक बार उन्होंने मुझे अपने घर सोने के लिए बुलाया क्योंकि वे अकेली थी. भाभी ने खुद पहले करके मुझे चूमना शुरू किया. …”

**Story By:** समीर 22 (mystry2)
**Posted:** Friday, May 10th, 2024
**Categories:** पड़ोसी
**Online version:** पड़ोस वाली भाभी ने घर बुलाकर चूत दी


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# पड़ोस वाली भाभी ने घर बुलाकर चूत दी

हॉट सेक्स विद भाभी के मजे लिए मैंने. वे मेरे पड़ोस में रहती थी. एक बार उन्होंने मुझे अपने घर सोने के लिए बुलाया क्योंकि वे अकेली थी. भाभी ने खुद पहले करके मुझे चूमना शुरू किया.

मेरा नाम समीर है, मैं जयपुर (राजस्थान) का रहने वाला हूँ।

मेरी उम्र 24 साल है, हाइट 5’10”, रंग गोरा दिखने में बहुत ही आकर्षक हूँ।

मेरे औज़ार का साइज 6.5 है, काफी मोटा भी है, किसी को भी सन्तुष्ट करने के लिए काफी है।

मैं अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ, पिछले कई साल से मैं अन्तर्वासना का पाठक रहा हूँ।

कुछ समय से सोच रहा था कि मुझे अपनी कहानी भी आप लोगों तक पहुँचानी चाहिए. लेकिन वक़्त की कमी के चलते यह मुमकिन नहीं हो पा रहा था.

आज मैंने सोचा यह हॉट सेक्स विद भाभी की कहानी लिखनी ही चाहिए।

तो हाज़िर हूँ मैं आपके सामने इस कहानी के साथ!
पहले यह बता दूँ मैं कि यह मेरी पहली कहानी है.
अगर लिखने में कोई ग़लती हो जाये तो प्लीज़ माफ करना।
जो हुआ हू-ब-हू आपके समक्ष रखने की कोशिश करूंगा।

इस कहानी की नायिका हैं कशिश भाभी, रंग गोरा, चूचे बड़े बड़े … कोई भी देखे तो बस देखता ही रह जाये!
भाभी की उम्र करीब 30 साल है, वे थोड़ी गदरायी हुई हैं, मुझे गदरायी हुई आंटी, भाभियाँ ज़्यादा पसंद हैं।

वे हमारी पड़ोसी हैं, उनका घर और हमारा घर बिल्कुल एक दूसरे से सटा हुआ है।
उनके घर की छत और हमारे घर की छत ऐसी है कि आसानी से छत के रास्ते आया जा सकता है।
भाभी का मेरे घर काफी आना जाना भी है, बिल्कुल फैमिली जैसा।

उनके पति एक कंपनी में काम करते हैं जो अक्सर टूर पर रहते हैं.
वे काम पर ज़्यादा ध्यान देते हैं.

इस वजह से भाभी कुछ नाराज़ सी रहती हैं.
यह बात मैंने कई बार नोटिस की थी।

भाभी का एक 3 साल का बेटा भी है.

बात तकरीबन 1 साल पहले की है, मेरा वर्क फ्रॉम होम चल रहा था तो मैं घर से ही काम कर रहा था।

तब ही भाभी औऱ उनके पति हमारे घर आए.
उनके पति मेरी मॉम से कह रहे थे- आप प्लीज़ समीर को कुछ दिनों के लिए रात को हमारे घर सोने के लिए भेज दीजिये क्योंकि मेरा एक आफिस टूर है. इसके लिए मुझे कुछ दिनों के लिए बाहर जाना है. कशिश को रात अकेले में उसे डर लगता है. और साथ में छोटा बच्चा भी है!

मॉम ने कहा- आप बेफिक्र रहिये, समीर आ जायेगा.

ये सब बात मैं सुन सकता था क्योंकि ड्रॉइंगरूम में मैं काम कर रहा था और वहां तक आसानी से उनकी आवाज़ पहुँच रही थी।

तब ही मैंने थोड़ा झुक कर बाहर देखने की कोशिश की तो पाया कि कशिश भाभी के चेहरे पर एक अलग ही मुस्कान थी.
मुझे कुछ अजीब सा लगा।
हालाँकि मैंने कभी पहले उनके बारे में ग़लत नहीं सोचा था।

कुछ देर वे दोनों माँ से बात कर के चले गए।

मैं कुछ देर बाद जब बाहर आया तो मॉम ने मुझे पूरी बात बताई, मैं भी राज़ी हो गया।

शाम को भाभी हमारे घर आई और बोली- समीर, आज तुम डिनर मेरे घर पर ही कर लेना, मैंने दाल-बाटी बनाई है.
मैं खुश हो गया क्योंकि मुझे ये डिश बहुत पसंद थी- हाँ ठीक है भाभी!

भाभी- तो कब तक आने का इरादा है?
मैं- आप चलें भाभी, मुझे दोस्त से कुछ काम है, मैं काम निपटा कर जल्दी आता हूँ।
भाभी- ठीक है जल्दी आना. मैं तुम्हारा इंतज़ार कर रही हूं, खाना साथ में खाएंगे।
मैं- ठीक है भाभी!

फिर मैंने मॉम को बोला- मैं दोस्त से मिलने बाहर जा रहा हूँ. वहां से सीधा भाभी के घर चला जाऊंगा, खाना भी वहीं खाऊँगा.
मॉम ने कहा- ठीक है।

फिर मैं जल्दी से घर से निकल गया और दोस्त से मिलकर सीधा भाभी के घर पहुँच गया.

मैंने डोरबेल बजायी, थोड़ी देर में भाभी ने दरवाज़ा खोला.
मैं तो उन्हें देखता ही रह गया.

वे बिल्कुल सज-संवर कर तैयार हो कर आयी थी।
भाभी बहुत ही सुंदर लग रही थी.
मैं तो बस देखता ही रह गया.

उन्होंने मुझे हिलाया तो मैं एकदम से जागा।

भाभी- कहाँ खो गए … कभी लड़की नहीं देखी क्या ?
उन्होंने हंसते हुए बोला.

मैं- नहीं भाभी, ऐसा नहीं है. आप सच में बहुत खूबसूरत लग रही हो।
भाभी- अच्छा जी, मुझ पर लाइन मार रहे हो ?

मैं शर्मा गया और सर झुका लिया।

भाभी- चलो अब अंदर भी आओ, कब से तुम्हारा इंतेज़ार कर रही थी. और तुम हो कि तुम्हें अपनी भाभी की कोई फिक्र ही नहीं है।
मैं- नहीं भाभी, वो थोड़ा दोस्त के घर लेट हो गया था।

फिर मैंने पूछा- आपका बेबी कहाँ है ?
वे बोली- वो तो सो गया, उसे भूख लगी थी तो उसे अभी दूध पिलाया, फिर उसे नींद आ गयी।

भाभी- तुम जल्दी से हाथ मुँह धो लो, तब तक मैं खाना लगा देती हूँ, साथ में खाएंगे।

मैं फ्रेश होने बाथरूम में गया तो देखा कि भाभी की 3 जोड़ी ब्रा-पेंटी बाथरूम में ही पड़ी थी.
और ऐसा लग रहा था कि जैसे उन्होंने जान बूझकर वो सामने ही रखी हो जिससे मेरी नज़र उन पर पड़े।

मुझे थोड़ा शक़ हुआ, मैंने ब्रा सूँघ कर देखी तो मदहोश हो गया.
भाभी के जिस्म की महक मुझे पागल सा कर रही थी।

भाभी- अरे समीर कहाँ रह गए, खाना ठंडा हो रहा है।
मैं- आया भाभी 2 मिनट!

जल्दी से मैं खाने की मेज पर आया।
भाभी बड़े ही प्यार से मुझे खाना परोसने लगी- ज़रा चखकर बताओ कैसा बना है?

मैंने टेस्ट किया, खाना वाक़ई में बहोत लाजवाब बना था।
मैं- भाभी, खाना तो बहुत टेस्टी बना है।

भाभी और मैं मेज पर आमने सामने ही बैठे थे.
मैंने नोटिस किया कि भाभी बार बार नज़र बचाकर मुझे ही देखे जा रही थी।

मुझे भाभी का व्यव्हार आज थोड़ा अजीब लग रहा था।

फिर हमने खाना खत्म किया तो मैं भी भाभी की हेल्प करने लगा बर्तन किचन में रखने के लिए!

तब ही मैंने नोटिस किया कि भाभी बर्तन लेने के बहाने मेरे हाथ को टच कर रही हैं।

उसके बाद भाभी आइसक्रीम ले आयी.

हम दोनों खाने लगे.

तभी भाभी बोली– तुम्हारे लैपटॉप में कोई मूवी है ?
मै- हाँ, भाभी हैं।

चूंकि वर्क फ्रॉम होम में कभी भी कोई भी काम आ जाता है तो मैं लैपटॉप हमेशा साथ ही रखता हूँ।

भाभी- कौन सी मूवी है ?
मैं- भाभी ये तो कंपनी का लैपटॉप है तो इसमें शायद 2-3 मूवी ही हैं।

भाभी- ठीक है चलेगा. कोई रोमांटिक मूवी लगा दो।

जैसे ही मैंने रोमांटिक मूवी शब्द सुना तो थोड़ी हैरत भी हुई।

इतने में भाभी एक कम्बल ले आयी और मुझ पर खुद पर वो कम्बल डाल दिया.
चूंकि हम सोफे पर बैठे थे, अब लैपटॉप बीच में रख लिया.

मेरे लैपटॉप में 'टाइटैनिक' मूवी थी तो मैंने वो प्ले कर दी।

कुछ देर बाद भाभी बोली- चलो बैडरूम में चलते हैं, यहां थोड़ी ठंड लग रही है।

सर्दियों के दिन थे तो मुझे भी थोड़ी ठंड तो महसूस हो रही थी.
मैंने भी कहा- ठीक है।

बेडरूम में गए तो देखा भाभी का बेबी गहरी नींद में बेड के बीच में सोया है.
तो भाभी ने उसे गोद में लेकर उसके पालने में सुला दिया।

इसके बाद मैं और भाभी बेड पर आ गए.
भाभी ने रजाई ऊपर सरका ली।

अब भाभी और मैं दोनों एक ही रजाई में आ गए और मूवी देखने लगे।

मूवी में एक बहुत ही रोमांटिक सीन आया.
तो भाभी ने मेरी तरफ देखा.
उनकी आंखों में एक अलग ही प्यार नज़र आ रहा था.

फिर धीरे से उन्होंने अपने सर को मेरे कंधे पर रख दिया और अपने हाथों से मेरी हथेली को धीरे धीरे मसलने लगी।
मेरे शरीर में अचानक सिहरन सी दौड़ने लगी.

इससे पहले कि मैं कुछ समझ पाता, भाभी ने मेरे होंठों पर होंठ रख दिये और चूसने लगी.
मैं भी बराबर उनका साथ देने लगा।

फिर भाभी मेरी जीभ को चूसने लगी।
मुझे इस सब में बहुत मज़ा आ रहा था।

मेरा हाथ भाभी की चूची पर चला गया और मैं धीरे धीरे दबाने लगा।

तभी भाभी मेरे पजामे के ऊपर से ही मेरे लंड को मसलने लगी, मेरा लन्ड अब पूरी तरह तन चुका था।

अचानक भाभी ने मेरा पजामा अंडरवियर के साथ नीचे सरका दिया और मेरा 6.5 इंच का लन्ड अब उनकी आंखों के सामने था.
भाभी की आंखों में अलग ही चमक दिख रही थी।

उन्होंने आव देखा ना ताव सीधे मेरे लन्ड को मुँह में ले लिया और बेतहाशा चूसने लगी.
उनको देख कर लग रहा था कि पहली बार उन्होंने लन्ड देखा है।

भाभी- वाह समीर, बहुत मस्त लन्ड है यार तुम्हारा ! मैं कब से इसके लिए तरस रही थी.
आज मुझे मत रोकना, बस खा जाना चाहती हूं मैं इसे !
मैं- भाभी, अब से ये बस आपका ही है, आप जो चाहे करो।

वे मेरा लन्ड लगातार चूस जा रही थी.

इतने में मैंने भी उनके सारे कपड़े निकाल दिए।

भाभी ने अपनी चूत बिल्कुल शेव कर के रखी थी, उस पर एक भी बाल नहीं था.
लगता है आज ही शेव की है।

फिर मैं उनकी चूत में एक उंगली डालकर आगे पीछे करने लगा.

वे मेरी इस हरकत से चिहुँक उठी- अरे आराम से करो, तुम्हारी कशिश कहीं भागी नहीं जा रही।
यह कह कर वो हँसने लगी।

फिर हम 69 की पोजीशन में आ गए.
मैं अपनी जीभ उनकी चूत में डालकर चूसने लगा.

मेरी इस हरकत से वे और ज़्यादा मदहोश होने लगी।

भाभी- समीर आज जो मज़ा तुमने दिया है, वो कभी तुम्हारे भैया भी नहीं दे पाए, आज से मैं तुम्हारी हूँ हमेशा !
यह कह कर भाभी ज़ोर ज़ोर से मेरा लन्ड चूसने लगी।

मैं- भाभी, मेरा होने वाला है।
भाभी- मेरे मुंह में ही निकाल दो, तुम्हारा अमृत मुझे पीना है।

उसके कुछ देर बाद ही मेरा निकल गया, इतना ज्यादा निकला कि भाभी का पूरा मुँह भर गया।

भाभी पूरा माल गटक गयी.
फिर वे हंसते हुए बोली- टंकी में कितना पानी भर कर रखते हो, इतना ज़्यादा किसका निकलता है।

हम दोनों ठहाके मार के हँसने लगे.
भाभी की आंखों में पूरी खुशी और संतुष्टि का भाव दिख रहा था।

फिर हम दोनों निढाल हो कर लेट गए.

कुछ देर बाद ही भाभी मेरे ऊपर आ गयी और मेरे लन्ड को फिर से खड़ा करने लगी।

भाभी- समीर यार, तुम्हारा तो सच में बहुत तगड़ा है घोड़े जैसा, मुझे दर्द होगा।
मैं- हाँ भाभी, अब ये तो नेचुरल है. इसका तो कुछ नहीं कर सकते।

भाभी मेरी बात सुन कर हँसने लगी- चाहे कितना भी दर्द हो, मैं सह लूँगी सब तुम्हारे लिए!
मैं- भाभी, कंडोम तो मैं लाया नहीं … आपके पास है ?

भाभी- नहीं … और होता भी तो नहीं देती ! मुझे ऐसे ही लेना है बस !
यह कह कर भाभी शर्माने लगी।

अब मेरा भी दोबारा से पूरा तन चुका था, भाभी बोली- अब प्लीज और देर ना करो, डाल

दो ना !

मैंने भाभी को ‘मिशनरी’ पोजीशन में लेटाया, अपना लन्ड भाभी की चूत पर रखा और थोड़ा धक्का मारा.
टोपा अंदर चला गया था.

भाभी थोड़ी कसमसाने लगी- रुको मत समीर !

फिर एक और धक्का मारा, आधा लन्ड भाभी की चूत में उतर गया।
भाभी की चीख निकल गयी।

फिर धीरे धीरे धक्के मारता गया, अब पूरा 6.5 इंच लंबा और काफी मोटा लन्ड पूरी तरह से उतर गया।

धीरे धीरे धक्कों की रफ्तार ओर तेज़ होती गयी, अब मेरा लन्ड भाभी की बच्चेदानी से टकरा रहा था।
भाभी भी पूरे जोश में मेरा साथ दे रही थी।

भाभी- मैं एक तुम्हारे ऊपर आना चाहती हूँ।
मैं बेड पर लेट गया, भाभी मेरे ऊपर आ गयी और ज़ोर ज़ोर से मेरे लन्ड पर कूदने लगी।

भाभी के चुचे भी हवा में झूल रहे थे.
वे मुझे किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही थी.

इतने में भाभी 2 बार झड़ चुकी थी।
लेकिन मैं झड़ने का नाम ही नहीं ले रहा था.

मेरा स्टैमिना देख भाभी पागल होती जा रही थी.

करीब आधे घंटे तक मैंने उन्हें चोदा, वे पसीने पसीने हो गयी।

आखिर कार मैं झड़ने वाला था- भाभी कहाँ निकालूँ ?
भाभी- अंदर ही निकालो समीर, मैं गोली खा लूँगी।

फिर तेज़ रफ़्तार के साथ हॉट सेक्स विद भाभी करके मैं अंदर ही झड़ गया।
भाभी निढाल होकर मेरे सीने पर ही लेट गयी और मुस्कुराने लगी.

भाभी- अरे समीर, ऐसा क्या खाते हो थकते ही नहीं हो तुम तो, इतना स्टैमिना कहाँ से लाते हो ?
मैं- भाभी रेगुलर एक्सरसाइज से स्टैमिना बन जाता है।

भाभी- आज तुमने मुझे वो खुशी दी है, जो शायद में कभी ना भुला पाऊंगी। सेक्स के टाइम भी तुम कितने केयरिंग थे, मुझे कोई तकलीफ ना हो इसलिए सब आराम से कर रहे थे। तुम इतने अच्छे क्यों हो ?

ये सब बोलकर भाभी इमोशनल हो गयी और उनकी आंखें खुशी से भर गई।

फिर वे मेरे सीने पर ही सर रख कर सो गई।

तो यह थी मेरी हॉट सेक्स विद भाभी की कहानी !
आपको पसंद आयी होगी.
प्लीज मेल करके ज़रूर बताइए।
और लिखने में कोई गलती हुई हो तो नज़रअंदाज़ करियेगा।

मैं यह काम प्रोफेशनली या पैसों के लिए नहीं करता, यह मेरा पहला अनुभव था।
धन्यवाद.

आपका समीर
mystry2297@gmail.com

# Other stories you may be interested in

## कुंवारी ननद को दिखाए लण्ड के हसीन सपने- 4

वर्जिन न्यूड पुसी स्टोरी में मैंने अपनी नवयौवना ननद को सेक्स का पाठ पढ़ाया. उसे लेस्बियन सेक्स के बाए में बता कर उसकी कुंवारी बुर चाट कर उसे पहला चरम सुख दिलाया. कहानी के तीसरे भाग कुंवारी ननद को दिखाई […]
Full Story >>>

## साली की और मेरी फॅमिली का चुदाई टूरिज्म- 3

सेक्सी वाइफ Xxx कहानी में मेरी बीवी होटल के कमरे के बाथरूम में होटल के वेटर से हमारे सामने चुद गयी. मैं, मेरी साली, मेरा साढू उन दोनों की लाइव चुदाई देख रहे थे. दोस्तो, आपको मैं दो बहनों की […]
Full Story >>>

## कुंवारी ननद को दिखाए लण्ड के हसीन सपने- 3

टीन वर्जिन न्यू सेक्स स्टोरी में मैंने अपनी मासूम सी कमसिन ननद को अपने साथ मिलाने के लिए उसे सेक्स में मिलने वाले मजे के बारे में बताया, उसे लेस्बियन सेक्स के लिए राजी किया. कहानी के दूसरे भाग ननद […]
Full Story >>>

## साली की और मेरी फॅमिली का चुदाई टूरिज्म- 2

Xxx कार सेक्स कहानी में मैंने मेरी साली के साथ और मेरी बीवी ने अपनी बहन के पति के साथ चलती चार में सेक्स का मजा लिया. फ्रेंड्स, मैं आपका दोस्त आपके सामने अपनी बीवी की एक और सेक्स कहानी […]
Full Story >>>

## साली की और मेरी फॅमिली का चुदाई टूरिज्म- 1

जीजा साली वाइफ एक्सचेंज सेक्स कहानी में मैं अपनी बीवी, साली और उसके पति के साथ भ्रमण पर गए. होटल में हम दोनों साढू एक दूसरे की बीवी की चुदाई करना चाहते थे. फ्रेंड्स, मैं आज आपको अपने जीवन की […]
Full Story >>>